तापमान
अधिकतम 31.0 डिग्री
न्यूनतम 24.0 डिग्री

हरिभूमि
कांकेर भूमि
रायपुर, शनिवार 23 मई 2026

12 नार्मल डिलिवरी का दिया भरोसा पर अस्पताल में जच्चे-बच्चे...

12 फन एंड लर्न समर कैंप के बच्चों ने तीसरे दिन किया...

कोयलीबेड़ा में तेंदूपत्ता से भरे ट्रक में भीषण आग, वाहन समेत 300 बोरा पत्ता खाक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोयलीबेड़ा

कोयलीबेड़ा क्षेत्र में शुक्रवार को उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब तेंदूपत्ता से भरे एक ट्रक में अचानक आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और कुछ ही मिनटों में पूरा वाहन धू-धू कर जलने लगा। ग्रामीणों ने आग बुझाने की भरपूर कोशिश की, लेकिन पानी और संसाधनों के अभाव में ट्रक को बचाया नहीं जा सका। घटना में लगभग 300 बोरा तेंदूपत्ता जलकर राख हो गया।

जानकारी के अनुसार, नारायणपुर की ओर जा रहा तेंदूपत्ता से भरा ट्रक कोयलीबेड़ा ग्राम पंचायत के पास शुक्रवार 22 मई की दोपहर को लगभग 12 बजे के आसपास पहुंचा ही था कि ऊपर से गुजर रहे बिजली तार से ट्रक के ऊपर रखे बोरों के रगड़ खाने से चिंगारी निकल गई। चिंगारी ने कुछ ही सेकंड में तेंदूपत्ता से भरे बोरों को अपनी चपेट में ले लिया और आग तेजी से फैलने लगी। आग लगते ही चालक ने वाहन रोक दिया। ग्राम पंचायत के पास मौजूद ग्रामीण और आसपास के लोग मौके पर पहुंचे तथा आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। हालांकि आग इतनी तेजी से फैल रही थी कि उस पर काबू पाना मुश्किल हो गया। स्थिति बिगड़ती देख ग्रामीणों ने चालक को गाड़ी को आबादी से दूर खेत की ओर ले जाने की सलाह दी, ताकि बड़ा हादसा टाला जा सके। चालक ने ट्रक को बचाने की कोशिश करते हुए उसे पास के उबड़-खाबड़ खेत की ओर मोड़ दिया। बताया जा रहा है कि चालक ने वाहन को पलटाकर आग पर काबू पाने का प्रयास भी किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सका। करीब 10 मिनट के भीतर आग ने पूरी गाड़ी को अपनी चपेट में ले लिया और ट्रक पूरी तरह जलकर राख हो गया। घटना स्थल के आसपास पानी की कोई पर्याप्त व्यवस्था नहीं होने के कारण आग बुझाने में काफी दिक्कतें आईं। ग्रामीणों ने बाल्टियों और छोटे साधनों से आग बुझाने की कोशिश की, लेकिन तब तक आग विकराल रूप ले चुकी थी। घटना के बाद इलाके में लोगों की भारी भीड़ जुट गई। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों रुपये के नुकसान की आशंका जताई जा रही है।

बिजली तार के संपर्क में आने से लगी आग

नारायणपुर सोनपुर समिति के थे तेंदूपत्ते

जानकारी के मुताबिक, यह तेंदूपत्ता नारायणपुर जिले के सोनपुर समिति के अंतर्गत आने वाले गांव बोगान, मर्राम और गोंडुल फड़ से संग्रहित किया गया था। सोनपुर समिति के अंतर्गत आने वाले इन फड़ों से लगभग 300 बोरा तेंदूपत्ता ट्रक में लोड किया गया था, जिसे कोयलीबेड़ा मार्ग से होते हुए नारायणपुर ले जाया जा रहा था। इसी दौरान यह हादसा हो गया।

खबर संक्षेप

बिजली आपूर्ति आज सुबह से रहेगी बाधित

कांकेर। विद्युत विभाग द्वारा आवश्यक मरम्मत एवं फीडर शिफ्टिंग कार्य के चलते शनिवार 23 मई को सुबह 10 बजे से शाम 3 बजे तक बिजली आपूर्ति बंद रहेगी। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसार 33 केवी सहित सभी 11 केवी फीडरों की सप्लाई निर्धारित समय तक बाधित रहेगी। इस दौरान सब स्टेशन में मरम्मत एवं तकनीकी सुधार कार्य किया जाएगा, जिससे भविष्य में उपभोक्ताओं को बेहतर एवं सुचारु विद्युत सेवा उपलब्ध कराई जा सके। विद्युत विभाग ने क्षेत्र के नागरिकों एवं उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील करते हुए कहा है कि आवश्यक कार्य पूर्व में ही पूर्ण कर लें। कार्य समय से पहले पूरा होने पर बिजली आपूर्ति शीघ्र बहाल कर दी जाएगी।

पिछड़ा वर्ग कांग्रेस के अध्यक्ष बने सुखचंद

कांकेर। भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस एवं छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कांग्रेस प्रकोष्ठ ने सुखचंद प्रजापति को पिछड़ा वर्ग कांग्रेस कांकेर का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया है। उनकी नियुक्ति से कांग्रेस कार्यकर्ताओं में उत्साह का माहौल है। संगठन ने पिछड़ा वर्ग समाज को कांग्रेस से जोड़ने और उनकी समस्याओं को प्रभावी ढंग से उठाने के उद्देश्य से यह जिम्मेदारी सौंपी है। उन्होंने संगठन को मजबूत बनाने, युवाओं की भागीदारी बढ़ाने और पिछड़ा वर्ग समाज के हितों के लिए पूरी निष्ठा से कार्य करने का संकल्प लिया।

पंचायतों में ठप विकास कार्यों को शुरू करने की मांग पर सरपंच संघ हड़ताल पर

सरपंच संघ की हड़ताल में खुला नया पेंच तीन सरपंचों ने दिया सामूहिक इस्तीफा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

अंतागढ़ जनपद क्षेत्र में सरपंच संघ द्वारा पंचायतों में विकास कार्य ठप होने का आरोप लगाते हुए शुरू की गई हड़ताल अब नए विवाद और गंभीर आरोपों के घेरे में आ गई है। सामूहिक इस्तीफे को लेकर सामने आए खुलासों ने पूरे मामले को राजनीतिक और प्रशासनिक गलियारों में चर्चा का विषय बना दिया है। अंतागढ़ क्षेत्र में पिछले कुछ दिनों से पंचायतों में विकास कार्यों की धीमी गति और प्रशासनिक उदासीनता को लेकर सरपंच संघ आंदोलनरत था।

संघ के पदाधिकारियों ने आरोप लगाया था कि पंचायतों को पर्याप्त राशि नहीं मिल रही, जिससे निर्माण कार्य और जनहित योजनाएं प्रभावित हो रही हैं। इसी मांग को लेकर हड़ताल शुरू की गई और बाद में 28 सरपंचों के हस्ताक्षरयुक्त सामूहिक इस्तीफे का पत्र अपर कलेक्टर अंतागढ़ को सौंपा गया। इस मामले में जिन सरपंचों के हस्ताक्षर इस्तीफे के दस्तावेज में दर्शाए गए, उनमें से कुछ ने अब दावा किया है कि उनसे षड्यंत्रपूर्वक खाली या दूसरे पेज में हस्ताक्षर करवाए गए और उन्हें इस बात की जानकारी ही नहीं थी कि पहले पेज में सामूहिक इस्तीफे का मसौदा लिखा हुआ है। मामले के सामने आने के बाद अब दोषियों पर अपराध दर्ज करने और निष्पक्ष जांच की मांग तेज हो गई है।

हिमोड़ा, बड़ेतोपाल और कोलर के सरपंचों ने मीडिया के सामने सामूहिक इस्तीफे की खोली पूरी कहानी

प्रशासन पर टिकी नजरें

फिलहाल पूरे मामले पर प्रशासन की ओर से कोई आधिकारिक बयान सामने नहीं आया है, लेकिन क्षेत्र में चर्चाओं का दौर तेज है। लोगों की निगाहें अब प्रशासनिक कार्रवाई पर टिकी हुई हैं। यह देखना दिलचस्प होगा कि प्रशासन इस कथित षड्यंत्र की गंभीरता को समझते हुए निष्पक्ष जांच कर दोषियों पर कार्रवाई करता है या फिर मामला समय के साथ ठंडे बस्ते में चला जाता है। आने वाले दिनों में यह प्रकरण अंतागढ़ की राजनीति और पंचायत व्यवस्था में बड़ा असर छोड़ सकता है।

कोरे कागज पर करवाया हस्ताक्षर

ग्राम पंचायत हिमोड़ा की सरपंच बैसाखिन कुमेटी ने वन विभाग के विश्रामगृह में मीडिया के सामने बताया कि हम लोग बाहर गए थे और जब हड़ताल वाले स्थल पर गए थे, तभी कोरा कागज में हस्ताक्षर करवा लिए, हमें पता नहीं था कि इस्तीफा में हस्ताक्षर करवाया गया है। सरपंच संघ में रहना है तो हड़ताल में आना होगा, ऐसा कहा गया था, इसलिए आए थे।

संघ का काम था इसलिए हड़ताल में शामिल हुए

ग्राम पंचायत बड़ेतोपाल की सरपंच सुशीला दर्रो ने कहा कि हम लोग कल बाहर गए थे। संघ के द्वारा हड़ताल रखा गया था और संघ का काम था, इसलिए हम लोग हड़ताल पर गए थे। संघ के काम को नहीं छोड़ सकते थे। हम लोग बाहर गए थे और वहाँ से आएं तो अचानक कोरे कागज में हस्ताक्षण करवा लिए, हमें नहीं मालूम था कि इसके पहले पेज में इस्तीफा लिखा है।

- षड्यंत्र करने वाले की जाँच करके कार्रवाई की उठने लगी माँग

कोलर सरपंच ने बताई हकीकत

ग्राम पंचायत कोलर के सरपंच हेमराज देहारी ने कहा कि हमारे लोग हमारे कार्यालय में चर्चा किए कि हम लोगों को तो कुछ काम नहीं मिल रहा है, इसलिए सभी लोग शुरुआत दिन साथ में थे। उसके बाद में हड़ताल करेंगे और तारीख तय हुई। उसके बाद हम लोग कांकेर गए तो हम लोग कलेक्टर के पास हॉस्पिटल की मांग करने गए थे, उसके बाद मैं मंगलवार को आया तो देखा कि हमारे सरपंच संघ वहाँ बैठे थे। उस दिन भी हम लोग पीछे बैठे थे और हड़ताल के दूसरे दिन बुधवार को हड़ताल में फिर पहुँच गए। हम लोग नाश्ता करने हॉटल गए और जब वापिस आए तो वह कोरा कागज दिए थे, वो पहले वाला एजेंडा क्या लिखे थे उसे हमको नहीं मिला, नहीं देख पाए। कोरा वाले लेटर हेड में हस्ताक्षर किए।

कार्रवाई के बाद भी फितेफुलचूर-डांगरा में रेत का अवैध कारोबार बेखौफ जारी

- *फिर गरजा अवैध रेत कारोबार*
  कार्रवाई के बाद भी बेखौफ तस्कर सक्रिय
- *मशीनों से दिन-रात उत्खनन जारी*
  फर्जी रॉयल्टी-प्रशासनिक ढिलाई पर उठे सवाल

भानुप्रतापपुर। दुर्गुकोंदल ब्लॉक के ग्राम फितेफुलचूर और डांगरा क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन एक बार फिर जोर पकड़ता नजर आ रहा है। प्रशासनिक कार्रवाई और मशीन जब्ती की चर्चाओं के बावजूद रेत तस्करों के हौसले इतने बुलंद हैं कि बंद हो चुकी खदानों में फिर से भारी मशीनों की गड़गड़ाहट सुनाई देने लगी है। ग्रामीणों का आरोप है कि नदी का सीना चीरकर दिन-रात खुलेआम रेत निकाली जा रही है, लेकिन जिम्मेदार विभाग केवल कागजी कार्रवाई तक सीमित दिखाई दे रहे हैं। स्थानीय लोगों के मुताबिक नदी के भीतर चैन माउंटेन मशीन, जेसीबी और अन्य भारी उपकरणों का उपयोग कर बड़े पैमाने पर उत्खनन किया जा रहा है, वहीं हाईवा वाहनों के जरिए 24 घंटे रेत परिवहन जारी है। ग्रामीणों का कहना है कि कुछ दिन पहले प्रशासन द्वारा कार्रवाई की गई थी और मशीनें जब्त होने की खबरें भी सामने आई थीं, लेकिन कुछ ही दिनों बाद वही खदानें फिर सक्रिय हो गईं। क्षेत्रवासियों ने आरोप लगाया कि रेत तस्कर भारी जुर्माना भरने के बाद दोबारा उसी अवैध कारोबार में जुट जाते हैं। इससे नए तस्करों के भी हौसले बढ़ रहे हैं और अवैध खनन का दायरा लगातार फैलता जा रहा है। ▶▶| शेष पेज 10 पर

अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली से गिरे युवक की इलाज के दौरान मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

नरहरपुर थाना क्षेत्र में तेज रफ्तार और लापरवाही से ट्रैक्टर चलाना एक युवक की जान पर भारी पड़ गया। रेती खाली कर लौट रहे ट्रैक्टर-ट्रॉली से गिरकर युवक की दर्दनाक मौत हो गई। मृतक के भाई की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार ग्राम धनोरा निवासी रंजीत भास्कर ने थाना कांकेर में लिखित आवेदन देकर बताया कि उसका भाई संदीप भास्कर मार्च 2026 से हुकुम नाग के ट्रैक्टर में मजदूरी का कार्य कर रहा था। शिकायतकर्ता ने बताया कि 12 मई 2026 की शाम संदीप अन्य मजदूरों के साथ महेन्द्रा ट्रैक्टर क्रमांक सीजी 19 बीडब्ल्यू 4231 एवं ट्रॉली में रेती छोड़ने ग्राम कुष्टीकुर गया हुआ था। रेती खाली कर वापस लौटते समय शाम करीब 7 बजे ग्राम बारदेवरी भट्टीपारा स्थित खेमराज देहारी के खेत पुलिया के पास ट्रैक्टर चालक हुकुम नाग द्वारा वाहन को तेज गति एवं लापरवाहीपूर्वक लहराते हुए चलाया जा रहा था। इसी दौरान ट्रॉली में बैठा संदीप भास्कर नीचे गिर गया और ट्रॉली के पहिए की चपेट में आ गया।घटना के बाद गंभीर रूप से घायल संदीप को पहले धनेलीकन्हार अस्पताल ले जाया गया, जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे कांकेर के कोमलदेव अस्पताल रेफर किया गया। हालत गंभीर होने पर रायपुर के मेकाहारा अस्पताल में भर्ती कराया गया। ▶▶| शेष पेज 10 पर

चालक के खिलाफ मामला दर्ज
विवेचना प्रारंभ

राहुल के बयान पर बिफरा भाजयुमो किया पुतला दहन व की नारे बाजी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

भारतीय जनता युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की हालिया बयानबाजी के विरोध में शुक्रवार 22 मई की देर शाम प्रदर्शन करते हुए शहर के पुराने बस स्टैंड पहुंचकर राहुल गांधी के खिलाफ नारेबाजी करते हुए उनका पुतला दहन किया। प्रदर्शन के दौरान कार्यकर्ताओं में भारी आक्रोश देखने को मिला। भाजयुमो नेताओं ने आरोप लगाया कि राहुल गांधी द्वारा दिए गए बयान देशहित, लोकतांत्रिक मूल्यों और जनभावनाओं के विपरीत हैं।

भारतीय जनता युवा मोर्चा के जिला अध्यक्ष संजू गोपाल साहू ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी के हालिया बयान पर तीखा पलटवार करते हुए उसे हताशा और संकुचित मानसिकता का प्रतीक बताया। उन्होंने कहा कि लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद स्वाभाविक हैं, लेकिन सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और जिम्मेदारी का पालन करना हर नेता का दायित्व होता है। उन्होने कहा कि लगातार चुनावी हार के कारण कांग्रेस नेतृत्व की भाषा और व्यवहार में निराशा साफ दिखाई दे रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि सत्ता से लंबे समय तक दूर रहने की बेचैनी ने कांग्रेस को लोकतांत्रिक मर्यादाओं की सीमाएं लांघने पर मजबूर कर दिया है। ▶▶| शेष पेज 10 पर

निरीक्षण में तेंदूपत्ते की गड्डियां कम मिली, जिम्मेदारों पर होगी कार्रवाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भानुप्रतापपुर

भानुप्रतापपुर में तेंदूपत्ता संग्रहण सीजन 2026 के दौरान बड़ी लापरवाही उजागर होने के बाद वन विभाग ने सख्त रुख अपना लिया है। संघ गोदाम में औचक निरीक्षण के दौरान बोरों में अंकित मात्रा से काफी कम तेंदूपत्ता मिलने पर विभाग में हड़कंप मच गया। यह बात सामने आई है कि जिला यूनियन पूर्व भानुप्रतापपुर के प्रबंध संचालक एवं वनमंडलाधिकारी ऋषभ जैन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए दोषियों पर अनुशासनात्मक कार्रवाई शुरू कर दी है। विभाग की इस कार्रवाई से तेंदूपत्ता संग्रहण कार्य में जुड़े कर्मचारियों और समितियों में खलबली मच गई है।

भानुप्रतापपुर में प्राथमिक लघु वनोपज सहकारी समिति साधुमिचगांव से 20 मई 2026 को पहुंचे तेंदूपत्ता बोरों की जांच के दौरान बड़ा खुलासा हुआ। निरीक्षण में पाया गया कि बोरों के ऊपर जितनी गड्डियां अंकित थीं, अंदर वास्तविक मात्रा उससे काफी कम थी। इस गड़बड़ी को विभाग ने गंभीर अनियमितता मानते हुए तत्काल जांच और कार्रवाई शुरू कर दी। ▶▶| शेष पेज 10 पर

लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी

जिला यूनियन पूर्व भानुप्रतापपुर के प्रबंध संचालक ऋषभ जैन ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि तेंदूपत्ता भर्ती, परिवहन और संपादन कार्य में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। सभी अधिकारियों को लगातार फील्ड भ्रमण कर कार्यों की निगरानी करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं।

महिला कोष योजना बनी महिलाओं की ताकत

आत्मसमर्पित महिला माओवादियों को मिला आत्मनिर्भरता के लिए नया रास्ता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कांकेर

छत्तीसगढ़ शासन की पुनर्वास नीति अब नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में नई उम्मीद बनकर उभर रही है। समाज की मुख्यधारा से जुड़ने की इच्छा रखने वाले आत्मसमर्पित माओवादियों को अब जिला प्रशासन आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में लगातार कदम बढ़ा रहा है। इसी कड़ी में कलेक्टर निलेशकुमार महादेव क्षीरसागर ने आत्मसमर्पित महिला माओवादी प्रमिला मंडावी को स्वरोजगार के लिए एक लाख रुपए का चेक प्रदान कर नई जिंदगी की शुरुआत का अवसर दिया। कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम सरगीकोट निवासी प्रमिला मंडावी ने राज्य शासन की पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर आत्मसमर्पण किया था। अब जिला प्रशासन ने उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से किराना व्यवसाय संचालित करने के लिए आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई है। कलेक्टर ने अपने कक्ष में उन्हें एक लाख रुपए का चेक सौंपते हुए कहा कि शासन का उद्देश्य आत्मसमर्पित माओवादियों को सम्मानजनक जीवन और रोजगार उपलब्ध कराना है। राज्य शासन की नक्सल पुनर्वास नीति से प्रभावित होकर कई माओवादी समाज की मुख्यधारा में लौट रहे हैं, जिन्हें जिला प्रशासन द्वारा प्रशिक्षण और आर्थिक सहायता प्रदान की जा रही है। कार्यक्रम में जिला कार्यक्रम अधिकारी विपिन जैन, महिला कोष प्रभारी दीप्ति साहू, चंदना राणा एवं प्रभा मरकाम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

मिला एक लाख का चेक

नरहरपुर निवासी अहिमत रावटे एवं लोकेश्वरी रसिया को स्थानीय व्यंजन विक्रय केंद्र मिलेट कार्ट संचालन के लिए एक-एक लाख रुपए के ऋण का चेक भी प्रदान किया गया। सक्षम योजना के अंतर्गत व्यक्तिगत महिलाओं को पहली बार में अधिकतम दो लाख रुपए तक की ऋण सहायता के तहत मात्र तीन प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज दर पर दिया गया।

कम ब्याज दर पर ऋण सुविधा

छत्तीसगढ़ महिला कोष के तहत महिला स्व-सहायता समूहों एवं व्यक्तिगत महिलाओं को स्वरोजगार के लिए ऋण उपलब्ध कराया जा रहा है। सक्षम योजना के अंतर्गत पहली बार में अधिकतम दो लाख रु. तक की ऋण सहायता मात्र तीन प्रतिशत वार्षिक साधारण ब्याज दर पर दी जाती है। यह योजना ग्रामीण एवं जरूरतमंद महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। उल्लेखनीय है कि वर्तमान वित्तीय वर्ष में 40 महिला स्व-सहायता समूहों को कुल 60 लाख रुपए का ऋण वितरित किया जा चुका है।

खबर संक्षेप

ओबीसी कांग्रेस को मिला नया नेतृत्व, भगवती बनीं जिलाध्यक्ष

कोण्डागांव। ऑल इंडिया कांग्रेस कमेटी ओबीसी विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग कांग्रेस की नई कार्यकारिणी का विस्तार किया गया है। जारी सूची में कोंडागांव जिले की कमान वरिष्ठ कांग्रेस नेत्री श्रीमती भगवती पटेल को सौंपते हुए उन्हें ओबीसी कांग्रेस का जिलाध्यक्ष नियुक्त किया गया है। भगवती पटेल की नियुक्ति के बाद जिले के कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं और पदाधिकारियों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। पार्टी पदाधिकारियों ने उन्हें नई जिम्मेदारी मिलने पर शुभकामनाएं और बधाई दी है। श्रीमती भगवती पटेल पूर्व में जिला पंचायत कोंडागांव की उपाध्यक्ष रह चुकी हैं।

प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को मिली आर्थिक सहायता

कोण्डागांव। कलेक्टर श्रीमती नुपुर राशि पन्ना द्वारा प्राकृतिक आपदा पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की गई है।राजस्व पुस्तक परिपत्र 6–4 के अंतर्गत कोण्डागांव तहसील के ग्राम आलबेड़ा निवासी जितेन्द्र की पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। मृतक के पुत्र दिनेश, मनीष तथा पुत्री मनीषा और लक्ष्मी को कुल 4 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। कलेक्टर कार्यालय द्वारा संबंधित तहसीलदार को निर्देश दिए गए हैं कि स्वीकृत सहायता राशि वारिसों के बैंक खातों में शीघ्र हस्तांतरित की जाए।

निधन

फूलसिंह नरेटी

दुर्गुकोंदल। विकास खंड दुर्गुकोंदल अंतर्गत ग्राम पंचायत कलंगपुरी के आश्रित ग्राम पुजारी पारा के भूतपूर्व सरपंच फूलसिंह नरेटी का आकस्मिक निधन हो गया, वे कुछ दिनों से बस चल रहे थे। उनका अंतिम संस्कार गृह ग्राम पुजारी पारा में किया गया जिसमें ग्रामवासी व रिश्तेदार उपस्थित रहे।

भीषण गर्मी से जनजीवन बेहाल, तापमान पहुंच गया 41 डिग्री पर

दोपहर को सड़कों पर पसरा सन्नाटा, कारोबार हो रहा प्रभावित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| केशकाल

गर्मी का प्रकोप लगातार बढ़ता जा रहा है। सूर्य की किरणों से धरती तप रही है और आसमान से आग बरस रही है। शुक्रवार को केशकाल का अधिकतम तापमान 41 डिग्री तक्र पहुंच चुका है।

तेज धूप और गर्म हवाओं ने लोगों की दिनचर्या को प्रभावित किया है। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा छाया रहा, जबकि आवश्यक कार्य से बाहर निकलने वाले लोग सिर ढंककर और पानी की बोतल साथ लेकर चलते नजर आए।

सुबह से ही सूरज की तीव्रता का अनुभव होने लगा था और जैसे-जैसे दिन चढ़ा, गर्मी का असर और बढ़ता गया। दोपहर में बाजारों में सामान्य दिनों की तुलना में भीड़ कम रही। गर्म हवाओं के कारण राहगीरों को कठिनाइयों का सामना करना पड़ा। रात में भी न्यूनतम तापमान 30 डिग्री रहने से लोगों को उमस और गर्मी से राहत नहीं मिली।

दोपहर 12 से 3 बजे तक घर से न निकलें

चिकित्सकों ने नागरिकों को सलाह दी है कि वे दोपहर 12 बजे से तीन बजे तक धूप में निकलने से बचें, अधिक पानी पिएं और हल्का भोजन करें। डा. डुमेश यादव ने बताया कि तेज धूप में निकलने से पहले सिर को गमछा, टोपी या छाता से ढंककर निकलें।

जल जीवन मिशन की लापरवाही : मर्दापाल क्षेत्र के हथकली पंचायत के हासेल में पेयजल संकट गहराया

टंकी बन गई, लेकिन बोर नहीं, हासेल गांव के लोग आज भी झरिया का पानी पीने को मजबूर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कोण्डागांव

जिले के मर्दापाल क्षेत्र अंतर्गत हथकली पंचायत के आश्रित ग्राम हासेल में जलसंकट ने ग्रामीणों की जिंदगी मुश्किल बना दी है। शासन की महत्वाकांक्षी जल जीवन मिशन योजना यहां सिर्फ कागजों और अधूरे ढांचे तक सिमटकर रह गई है। गांव में पानी टंकी का निर्माण कार्य महीनों पहले पूरा हो चुका है, लेकिन आज तक उसमें पानी की एक बूंद भी नहीं पहुंचा है। सबसे हैरानी की बात यह है कि जिस टंकी से गांव को पेयजल आपूर्ति होनी थी, उसके लिए अब तक बोर की खुदाई ही नहीं कराई गई है। ग्रामीणों का कहना है कि जब पानी का स्त्रोत ही तैयार नहीं हुआ, तो पानी आखिर पहुंचेगा कैसे।

- नदी किनारे झरिया खोदकर पानी भरते हैं बच्चे, खराब पड़े हैंडपंपों से बढ़ी परेशानी

ग्रामीणों के अनुसार जल जीवन मिशन के तहत गांव में पानी टंकी का निर्माण कई महीने पहले पूरा कर लिया गया था। पाइपलाइन और अन्य ढांचागत कार्य भी दिखाई देते हैं, लेकिन योजना आज तक चालू नहीं हो सकी।

नदी किनारे झरिया खोदकर पानी भरने को मजबूर बच्चे

गांव में पेयजल संकट की भयावह तस्वीर उस समय सामने आई, जब तपती दोपहर में दो छोटे बच्चे गांव के पास बह रही नदी में झरिया खोदकर पानी भरते नजर आए। नदी की रेत में छोटा गड्ढा बनाकर रिसने वाले पानी को बर्तनों में भरना ग्रामीणों की मजबूरी बन चुका है। ग्रामीणों का कहना है कि यही पानी पीने और घरेलू उपयोग के लिए इस्तेमाल किया जा रहा है, जबकि गर्मी बढ़ने के साथ जलस्रोत भी सूखते जा रहे हैं।

ग्रामीणों का आरोप है कि ठेकेदार की लापरवाही के कारण अब तक बोर खनन नहीं कराया गया, जिससे पूरी योजना अधर में लटक गई है। लाखों रुपये खर्च होने के बावजूद ग्रामीणों को इसका कोई लाभ नहीं मिल पा रहा।

दो हैंडपंप खराब, बढ़ी ग्रामीणों की परेशानी

गांव में लगे हैंडपंपों में से दो खराब हो चुके हैं। कई बार शिकायत करने के बावजूद मरम्मत नहीं होने से लोगों को भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। जो हैंडपंप चालू हैं, वहां भी पानी के लिए लंबी कतारें लग रही हैं। महिलाओं और बच्चों को प्रतिदिन दूर–दूर तक पानी लाने जाना पड़ रहा है, जिससे उनका समय और श्रम दोनों बर्बाद हो रहे हैं।

ग्रामीणों में नाराजगी प्रशासन से कार्रवाई की मांग

ग्रामवासियों ने संबंधित विभाग और प्रशासन से जल्द से जल्द बोर खनन कर जलापूर्ति शुरू कराने की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि समय रहते व्यवस्था नहीं सुधारी गई, तो गर्मी के मौसम में हालात और गंभीर हो सकते हैं। ग्रामीणों ने खराब हैंडपंपों की तत्काल मरम्मत और जल जीवन मिशन योजना को शीघ्र चालू कराने की मांग करते हुए कहा कि केवल टंकी बन जाने से समस्या का समाधान नहीं होगा, जब तक घरों तक पानी नहीं पहुंचेगा।

उरंदाबेड़ा शिविर में 25 हितग्राहियों को दी गई पीएम आवास की चाबी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फरसगांव

विकासखंड के ग्राम उरंदाबेड़ा में आयोजित जिला स्तरीय सुशासन तिहार शिविर में ग्रामीणों को विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रदान किया गया। शिविर में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत 25 हितग्राहियों को आवास की चाबी सौंपी गई तथा 28 जॉब कार्ड वितरित किए गए।

- ग्राम उरंदाबेड़ा में आयोजित जिला स्तरीय सुशासन तिहार शिविर में लोगों को मिला लाभ

शिविर में जिला पंचायत सदस्य जयलाल नाग, जनपद सदस्य निर्मल नाग, श्रीमती रामबती नेताम, जुगधर मरावी, सुकड़ूराम मंडावी एवं सरपंच मंगलूराम नाग उपस्थित रहे। वहीं प्रशासन की ओर से अपर कलेक्टर चित्रकांत चाली ठाकुर, एसडीएम अश्वन पुसाम, जनपद पंचायत सीईओ रूपेंद्र नेताम सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी मौजूद रहे। राजस्व विभाग द्वारा बी-1 खसरा, निवास प्रमाण पत्र और डिजिटल किसान किताब वितरित की गई। समाज कल्याण विभाग ने ट्राईसाइकिल, श्रवण यंत्र एवं वॉकर प्रदान किए, वहीं स्वास्थ्य विभाग ने आयुष्मान कार्ड एवं जन्म प्रमाण पत्र जारी किए। शिक्षा विभाग ने विद्यार्थियों को जाति प्रमाण पत्र तथा खाद्य विभाग ने राशन कार्ड वितरित किए। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा गर्भवती महिलाओं की गोद भराई एवं अन्नप्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। शिविर में ग्रामीणों ने विभिन्न योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर शासन की पहल की सराहना की।

कोड़ेकुर्से में जनजातीय गरिमा उत्सव व बस्तर मुन्ने समाधान शिविर आयोजित

दुर्गुकोंदल। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा संचालित गाँव का विकास हमारा विश्वास, बस्तर मुन्ने नियद नेल्लानार 2.0 अभियान के अंतर्गत ग्राम पंचायत कोड़ेकुर्से में क्लस्टर स्तरीय जनजातीय गरिमा उत्सव एवं समाधान शिविर का आयोजन किया गया। आत्मनिर्भर गाँव, खुशहाल समाज हमारा गाँव, विकसित गाँव, विकसित भारत थीम पर आयोजित इस शिविर में आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों से ग्रामीणों ने भाग लिया।

शिविर का उद्देश्य शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं को ग्रामीण अंचलों तक प्रभावी रूप से पहुंचाना, आम जनता की समस्याओं का त्वरित निराकरण करना तथा गांवों को आत्मनिर्भर एवं विकसित बनाने की दिशा में कार्य करना रहा। शिविर में ग्रामीणों ने शासन की योजनाओं की जानकारी प्राप्त करने के साथ ही अपनी समस्याओं एवं मांगों से संबंधित 55 आवेदन प्रस्तुत किए। समाधान शिविर के दौरान ग्रामीणों ने सड़क, बिजली, पेयजल, राशन कार्ड, पेंशन, आवास योजना, वन अधिकार पट्टा, स्वास्थ्य सुविधा, कृषि सहायता एवं अन्य मूलभूत

आवश्यकताओं से जुड़े आवेदन प्रस्तुत किए। कई समस्याओं का मौके पर ही निराकरण किया गया, जबकि शेष आवेदनों के शीघ्र समाधान का आश्वासन अधिकारियों द्वारा दिया गया।

ग्रामीणों ने गांव स्तर पर आयोजित इस प्रकार के शिविरों की सराहना करते हुए कहा कि इससे उन्हें बार-बार कार्यालयों के चक्कर नहीं लगाने पड़ते। मुख्य अतिथि अमृत कोटिंगला ने कहा कि बस्तर मुन्ने नियद नेल्लानार 2.0 अभियान शासन की महत्वाकांक्षी पहल है, जिसका उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में विकास कार्यों को गति देना और अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रही सरपंच साधना सहारे ने कहा कि समाधान शिविरों के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याओं का गांव स्तर पर ही निराकरण किया जा रहा है, जिससे लोगों को काफी राहत मिल रही है।

विकास राजू नायक ने कि आत्मनिर्भर गाँव, खुशहाल समाज हमारा गाँव, विकसित गाँव, विकसित भारत केवल एक नारा नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास की व्यापक सोच है। कार्यक्रम में उपसरपंच जगदेर राम दुग्गा, वार्ड पंच बबली डडात, जनपद सीईओ सुरेंद्र बंजारे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी आरडी ठाकुर, कार्यक्रम अधिकारी आशीष सोनकर, देवेंद्र हटीले, पंचायत सचिव, रोजगार सचिव एवं ग्रामीण उपस्थित रहे।

भानुप्रतापपुर नपं की सख्ती, बल्क वेस्ट जनरेटरों को नोटिस जारी

भानुप्रतापपुर। नगर पंचायत भानुप्रतापपुर द्वारा ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम 2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर नगर क्षेत्र में सख्ती शुरू कर दी गई है। इसी कड़ी में नगर के बड़े होटल, रेस्टोरेंट, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों एवं अन्य बल्क वेस्ट जनरेटरों को नियमों के पालन के लिए नोटिस जारी कर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए हैं।

नगर पंचायत द्वारा आयोजित बैठक एवं जनजागरूकता कार्यशाला में व्यवसायिक प्रतिष्ठानों के संचालकों को नए नियमों की विस्तृत जानकारी दी गई। अधिकारियों ने बताया कि अब कचरे का स्त्रोत स्तर पर पृथक्करण अनिवार्य होगा। गीला एवं सूखा कचरा अलग-अलग संग्रहित करना होगा, वहीं सैनिटरी एवं अन्य हानिकारक अपशिष्टों के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था भी सुनिश्चित करनी होगी। बैठक में बल्क वेस्ट जनरेटरों को अपने परिसर में ऑन-साइट कम्पोस्टिंग अथवा जैविक कचरे के प्रसंस्करण की व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए, ताकि गीले कचरे का स्थानीय स्तर पर ही उचित निपटान किया जा सके। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि

नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। नगर पंचायत ने सभी नागरिकों एवं व्यापारिक प्रतिष्ठानों से स्वच्छता अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने तथा नगर को स्वच्छ एवं प्रदूषण मुक्त बनाने में सहयोग करने की अपील की है। अधिकारियों ने कहा कि इससे नगर में स्वच्छता बनाए रखने के साथ-साथ पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। कार्यक्रम में नगर पंचायत अध्यक्ष निखिल सिंह राठौर, उपाध्यक्ष गजानंद दादसेना, परिवहन संघ अध्यक्ष गुरदीप सिंह ढींडसा, वरिष्ठ व्यवसायी प्रदीप जैन, व्यापारी संघ अध्यक्ष राकेश रामानी, चेंबर ऑफ कॉमर्स भानुप्रतापपुर के अध्यक्ष यश कथूरिया, सीएमओ आई.एल. पटेल, पार्षद राजिंदर रंधावा, पार्षद गुमान ठाकुर एवं पार्षद सुमित्रा साहू सहित नगर के व्यापारी उपस्थित रहे।

दुर्गूकोंदल में गर्मी का कहर, 44 डिग्री के पार पहुंचा पारा, जनजीवन प्रभावित

मौसम : सुबह 9 बजे से तापमान का कहर, दोपहर सड़कों पर पसरता है सन्नाटा

दुर्गुकोंदल। क्षेत्र में इन दिनों भीषण गर्मी ने लोगों का जीना मुश्किल कर दिया है। मार्च माह से शुरू हुई गर्मी अब अपने चरम पर पहुंच गई है और दुर्गुकोंदल सहित आसपास के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में तापमान लगातार 44 से 45 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया जा रहा है। तेज धूप, गर्म हवाओं और बढ़ती उमस के कारण आम जनजीवन बुरी तरह प्रभावित हो रहा है। दुर्गुकोंदल में दिन के समय सड़कें सूनी नजर आने लगी हैं और लोग केवल जरूरी काम होने पर ही घरों से बाहर निकल रहे हैं। सुबह से ही सूरज की तपिश लोगों को परेशान करने लगती है और दोपहर होते-होते गर्म हवाएं आग के थपेड़ों जैसी महसूस होने लगती हैं। हालात ऐसे हैं कि घरों के भीतर भी लोगों को राहत नहीं मिल रही है। पंखे और कूलर भी गर्म हवा फेंक रहे हैं, जिससे दिन और रात दोनों समय लोग बेचैनी महसूस कर रहे हैं। भीषण गर्मी का सबसे ज्यादा असर बच्चों, बुजुर्गों, गर्भवती महिलाओं तथा खेतों एवं निर्माण कार्यों में लगे श्रमिकों पर पड़ रहा है।

स्थानीय नागरिकों का कहना है कि इस वर्ष गर्मी ने पिछले कई वर्षों का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। दोपहर के समय बाजारों में लोगों की आवाजाही कम हो गई है और व्यापारियों को भी ग्राहकों की कमी महसूस हो रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की मांग लगातार बढ़ रही है। वहीं जलस्त्रोतों का जलस्तर घटने लगा है, जिससे आने वाले दिनों में पानी की समस्या और गंभीर होने की आशंका जताई जा रही है। पशु-पक्षी भी भीषण गर्मी से बेहाल नजर आ रहे हैं। मौसम विभाग के अनुसार अगले 5 से 7 दिनों तक मौसम में किसी बड़े बदलाव की संभावना नहीं है। तापमान में मामूली उतार-चढ़ाव हो सकता है, लेकिन फिलहाल लोगों को गर्मी से राहत मिलने के आसार नजर नहीं आ रहे हैं। खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. मनोज किशोरे ने बताया कि अत्यधिक गर्मी और लू के कारण शरीर में पानी एवं आवश्यक लवणों की कमी हो जाती है, जिससे गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से घर से बाहर न निकलने की अपील की है। बाहर जाते समय सिर और कान को कपड़े या टोपी से ढकने, पर्याप्त मात्रा में पानी पीने तथा सूती और हल्के रंग के कपड़े पहनने की सलाह दी गई है। अधिक पसीना आने पर ओआरएस घोल, मट्ठा, लस्सी, नींबू पानी और फलों के रस का सेवन करने की सलाह भी दी गई है।

प्रशासन के आश्वासन, समाप्त हुआ आंदोलन

रेत के अवैध खनन क विरोध में युकां व ग्रामीणों ने किया प्रदर्शन

भानुप्रतापपुर। ग्राम पंचायत डांगरा एवं चवेला क्षेत्र में कथित अवैध रेत खनन, लीज क्षेत्र से बाहर खुदाई, ओवरलोड परिवहन तथा पर्यावरणीय क्षति के विरोध में शुक्रवार को ग्रामीणों ने चवेला-बांसल मार्ग पर धरना-प्रदर्शन करते हुए चक्काजाम किया। धरना-प्रदर्शन के दौरान वक्ताओं ने आरोप लगाया कि क्षेत्र में लगातार अवैध रेत खनन किया जा रहा है। लीज क्षेत्र से बाहर खुदाई, भारी मशीनों के उपयोग तथा ओवरलोड वाहनों के संचालन से सड़कें, पुल-पुलिया, जल स्त्रोत एवं पर्यावरण प्रभावित हो रहे हैं।

आंदोलनकारियों ने अवैध खनन पर तत्काल रोक लगाने, लीज क्षेत्र से बाहर की गई खुदाई की जांच कराने तथा दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सूचना मिलने पर तहसीलदार दुर्गुकोदल,

एसडीओपी भानुप्रतापपुर, थाना प्रभारी दुर्गुकोदल एवं थाना प्रभारी भानुप्रतापपुर मौके पर पहुंचे। अधिकारियों ने आंदोलनकारियों से चर्चा कर मामले की जांच एवं आवश्यक वैधानिक कार्रवाई का आश्वासन दिया। प्रशासन के आश्वासन के बाद आंदोलनकारियों ने चक्काजाम समाप्त कर अपनी मांगों से संबंधित ज्ञापन अधिकारियों को सौंप दिया। प्रदेश सचिव एवं पार्षद पंकज राज वाधवानी ने कहा कि क्षेत्र की जनता लंबे समय से अवैध रेत खनन की समस्या से जूझ रही है।

पेज 09 के शेष

कार्रवाई के बाद भी...

ग्रामीणों का यह भी दावा है कि फर्जी रॉयल्टी के सहारे रेत परिवहन किया जा रहा है। बताया जा रहा है कि रेत फितेफुलचूर और डांगरा से निकाली जाती है, लेकिन परिवहन के दौरान किसी अन्य स्थान की रॉयल्टी दिखाई जाती है। यदि जांच में यह सही पाया जाता है तो मामला राजस्व नुकसान और दस्तावेजी फर्जीवाड़े से भी जुड़ सकता है।

ग्रामीणों ने संयुक्त जाँच की माँग की: सबसे बड़ा सवाल यह उठ रहा है कि जब नदी में मशीनों से उत्खनन नियमों के विरुद्ध माना जाता है, तब खुलेआम भारी मशीनें कैसे संचालित हो रही हैं। लगातार शिकायतों और खबरों के बावजूद ठोस कार्रवाई नहीं होने से अब प्रशासन और खनिज विभाग की कार्यप्रणाली पर भी सवाल उठने लगे हैं। ग्रामीणों ने अवैध खनन में लगी मशीनों की तत्काल जब्ती, रेत परिवहन पर रोक और पूरे मामले की संयुक्त जांच की मांग की है।

अनियंत्रित ट्रैक्टर-ट्राली...

जहां इलाज के दौरान 15 मई की सुबह उसकी मौत हो गई। पुलिस ने मृतक के भाई रंजीत भास्कर की शिकायत पर आरोपी चालक हुकुम नाग निवासी बारदेवरी मारीपारा के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 281, 125 (ए) और 106(1) के तहत अपराध पंजीबद्ध करते हुए विवेचना में लिया गया।

राहुल के बयान पर...

राहुल गांधी के बयान को देशवासियों की भावनाओं को आहत करने वाला बताते हुए कहा कि लोकतांत्रिक रूप से चुने गए शीर्ष नेतृत्व के खिलाफ अपमानजनक और असंवेदनशील टिप्पणियां निंदनीय हैं। उन्होंने सभी राजनीतिक दलों से संयमित भाषा और सकारात्मक सोच अपनाने की बात कही। इस अवसर पर भाजपा जिला अध्यक्ष महेश जैन, पूर्व विधायक सुमित्रा मारकोले, वरिष्ठ नेता दिलीप जायसवाल, राजीव लोचन सिंह, महामंत्री राजा पांडे सहित पार्टी के कई वरिष्ठ नेता, युवा मोर्चा पदाधिकारी और बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

देश विश्व में नई पहचान बना रहा: भाजयुमो अध्यक्ष संजू गोपाल साहू ने कहा कि देश आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व स्तर पर नई पहचान बना रहा है। नक्सलवाद के उन्मूलन, सीमाओं की सुरक्षा और तिरंगे की वैश्विक प्रतिष्ठा को मजबूत करने जैसे कार्य राष्ट्रहित में महत्वपूर्ण उपलब्धियां हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार ने आतंकवाद और नक्सलवाद जैसी गंभीर चुनौतियों से मजबूती से मुकाबला करते हुए देश की सुरक्षा व्यवस्था को और सशक्त बनाया है।

निरीक्षण में तेंदूपत्ते की...

मामले में पोषक अधिकारी हेमलता नरेटी, समिति प्रबंधक दिनेश कुमार नरेटी सहित फड़मुंशी नेहरूराम, प्रीतम कुमार पटेल, दीपांकज सिन्हा और टोमन लाल नायक पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की तैयारी की गई है] वहीं फड़ अभिरक्षक की भूमिका निभा रही मितानीनों गंसीर रावटे, पूनम निषाद, रामबाई सिन्हा और दसमी जाड़े के खिलाफ भी खंड चिकित्सा अधिकारी दुर्गूकोंदल को पत्र जारी किया गया है। जांच के दौरान जिला यूनियन के उपप्रबंध संचालक दीपक कुमार गावड़े एवं गोदाम प्रभारी भी मौजूद रहे। सूत्रों के अनुसार, मैदानी स्तर पर उचित निगरानी नहीं होने के कारण अधिकांश बोरों में तय मात्रा से कम गड्डियां भरी जा रही थीं। घटना सामने आने के बाद विभाग ने सभी समितियों, फड़मुंशियों और अभिरक्षकों को कड़ी चेतावनी जारी की है।

खबर संक्षेप

शिविर में 8 आवेदन का मौके पर निराकरण

दंतेवाड़ा। सुशासन तिहार अभियान के तहत ग्राम पंचायत बड़ेपेनड़ा में 15 ग्राम पंचायतों जावंगा, नागुल, हिरोली, कटुलनार, माड़पाल, मड़से, हाउरनार, बड़ेपनेड़ा 1, बड़ेपनेड़ा 2, गुमड़ा, हारला, हारम 1, हारम 2, हिरानार 1, हिरानार 2, जोड़ातराई का संयुक्त शिविर आयोजित किया गया। शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लेकर शासन की विभिन्न योजनाओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए तथा अपनी समस्याओं के समाधान हेतु अधिकारियों से संपर्क किया। शिविर के दौरान कुल 386 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 8 आवेदनों का मौके पर ही निराकरण किया गया। जबकि अन्य लंबित आवेदनों के निराकरण हेतु समय सीमा निर्धारित की गई है। इस दौरान विभिन्न विभागों द्वारा योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ हितग्राही मूलक सामग्रियों का वितरण भी किया गया।

उसूर को राष्ट्रीय स्तर पर मिला द्वितीय स्थान

बीजापुर। जिले के लिए गौरव का विषय है कि नीति आयोग के मार्गदर्शन में संचालित चैम्पियन आफ चेंज कार्यक्रम अंतर्गत अक्टूबर–दिसंबर तिमाही में विकासखण्ड उसूर ने सेंट्रल इंडिया ज़ोन में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान प्राप्त किया है। यह उपलब्धि जिले में विभिन्न विभागों के समन्वित प्रयासों, सतत मॉनिटरिंग एवं जनकेंद्रित विकास गतिविधियों का परिणाम है। उल्लेखनीय है कि कार्यक्रम में स्वास्थ्य एवं पोषण, शिक्षा, कृषि एवं संबद्ध सेवाएं, आधारभूत संरचना तथा सामाजिक विकास जैसे विभिन्न मानकों पर विकासखण्डों के प्रदर्शन का मूल्यांकन किया जाता है। उक्त रैंकिंग में उसूर विकासखण्ड ने विभिन्न विभागों की योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन एवं सामूहिक प्रयासों के आधार पर उल्लेखनीय उपलब्धि अर्जित की है। इस उपलब्धि के पीछे जिले द्वारा अपनाए गए 3 सी मॉडल अभिसरण, सहयोग एवं प्रतिस्पर्धा की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। जिले में विभिन्न विभागों के मध्य विभागीय समन्वय स्थापित करते हुए योजनाओं का अभिसरण किया गया, जिससे संसाधनों का बेहतर उपयोग एवं परिणाम आधारित कार्य संस्कृति विकसित हुई। अभिसरण के अंतर्गत स्वास्थ्य, महिला एवं बाल विकास, पंचायत, शिक्षा, कृषि एवं अन्य विभागों के कार्यक्रमों को समेकित रूप से क्रियान्वित किया गया। सहयोग के माध्यम से मैदानी अमले, जनप्रतिनिधियों एवं समुदाय की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की गई।

2 दिवसीय प्रशिक्षण वर्ग में संगठन की मजबूती और राष्ट्र निर्माण पर जोर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

पं. दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान का शुभारंभ

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान के अंतर्गत 2 दिवसीय जिला प्रशिक्षण वर्ग का आज शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम में प्रदेश से पहुंचे वरिष्ठ वक्ताओं ने कार्यकर्ताओं को संगठन की कार्यपद्धति, विचारधारा

■ **जनता के बीच जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का किया आह्वान**

और राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका को विस्तारपूर्वक बताया। प्रशिक्षण वर्ग का उद्घाटन दीप प्रज्वलन एवं भारत माता तथा डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी, पंडित दीनदयाल उपाध्याय के चित्र पर पुष्प अर्पित कर किया गया। उद्घाटन सत्र के मुख्य वक्ता एवं राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी ने कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल नहीं, बल्कि राष्ट्र सेवा का माध्यम है। कार्यकर्ताओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक सरकार की योजनाओं और संगठन की विचारधारा पहुंचाने का संकल्प लेना चाहिए।

सुश्री लता उसेंडी ने संगठन की मजबूती, अनुशासन, सेवा कार्य, बूथ सशक्तिकरण तथा जनसंपर्क को लेकर विस्तार से मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कार्यकर्ताओं से सक्रियता के साथ जनता के बीच जाकर सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का आह्वान किया। प्रशिक्षण वर्ग में विभिन्न विषयों पर सत्र आयोजित किए गए, जिनमें संगठनात्मक संरचना, सोशल मीडिया की भूमिका, राष्ट्रवादी विचारधारा तथा कार्यकर्ता विकास जैसे विषय शामिल रहे। इस प्रशिक्षण वर्ग में प्रदेश उपाध्यक्ष जी वेंकट, प्रदेश प्रवक्ता टिकेश्वर जैन, प्रदेश वक्ता शिवनारायण पांडेय, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य किरण उसेंडी, प्रदेश कार्यसमिति सदस्य एवं निवर्तमान जिला अध्यक्ष श्रीनिवास मुदलियार, संगठन प्रभारी दीपेश अरोरा सहित वरिष्ठ पदाधिकारी उपस्थित थे। प्रशिक्षण वर्ग का अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष घासीराम नाग ने किया।

प्रशिक्षण का रूपरेखा भाजपा जिला महामंत्री फूलचंद गागड़ा ने संभाला। संगठन सशक्तिकरण और विचारधारा को जन-जन तक पहुंचाने। प्रशिक्षण वर्ग में बूथ स्तर तक सक्रियता बढ़ाने पर जोर दिया गया। प्रशिक्षण में जिले भर से भाजपा पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष, महिला मोर्चा, युवा मोर्चा की बहने सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जंगलों- पहाड़ों के बीच पहुंचा प्रशासन

जन चौपाल में सुनी गई हर आवाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बीजापुर

बीजापुर के सुदूर और संवेदनशील ग्रामीण इलाकों में प्रशासन की सक्रिय मौजूदगी एक बार फिर देखने को मिली, जब कलेक्टर विश्वदीप, पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव और जिला पंचायत मुख्य कार्यपालन अधिकारी नम्रता चौबे ने ग्राम पंचायत सागमेटा, सण्ड्रा, एडापल्ली और पीलूर पहुंचकर जन चौपाल के माध्यम से ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं। प्रशासनिक अधिकारियों के गांव पहुंचने से ग्रामीणों में उत्साह और भरोसे का माहौल दिखाई दिया।

जन चौपाल के दौरान ग्रामीणों ने सड़क

■ **कलेक्टर ने युवाओं संग खेला क्रिकेट**

निर्माण, राशन वितरण में आ रही समस्याएं, पेयजल संकट, स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी, आवागमन की दिक्कत, शिक्षा और अन्य मूलभूत आवश्यकताओं से जुड़े मुद्दे अधिकारियों के सामने रखे। ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए कलेक्टर विश्वदीप ने मौके पर मौजूद विभागीय अधिकारियों को त्वरित निराकरण के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि शासन की प्राथमिकता अंतिम व्यक्ति तक योजनाओं का लाभ पहुंचाना है और दूरस्थ क्षेत्रों में रहने वाले लोगों को किसी भी सुविधा के लिए परेशान नहीं होना चाहिए।

कलेक्टर ने विशेष रूप से बस्तर मुन्ने कार्यक्रम के तहत शत-प्रतिशत सैचुरेशन सुनिश्चित करने पर जोर देते हुए अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र ग्रामीणों को सभी आवश्यक दस्तावेज सरलता और सुगमता से उपलब्ध कराए जाएं। साथ ही शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक समयबद्ध तरीके से पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। इस दौरान अधिकारियों ने क्षेत्र में चल रहे जनगणना कार्य की भी जानकारी ली। ग्रामीणों को जनगणना के महत्व, उसकी उपयोगिता और शासन की योजनाओं से उसके सीधे संबंध के बारे में विस्तारपूर्वक समझाया गया। अधिकारियों ने ग्रामीणों से अपील की कि वे जनगणना कार्य में सक्रिय सहयोग करें, ताकि विकास योजनाओं का सही क्रियान्वयन सुनिश्चित हो सके। पुलिस अधीक्षक डॉ. जितेन्द्र यादव ने ग्रामीणों से संवाद करते हुए सुरक्षा व्यवस्था, सामाजिक सहभागिता और आपसी सहयोग पर बल दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों और प्रशासन के बीच बेहतर समन्वय से क्षेत्र में शांति, विश्वास और विकास का वातावरण मजबूत होगा।

वहीं जिला पंचायत सीईओ नम्रता चौबे ने पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को निर्माण कार्यों में गुणवत्ता और गति बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में आधारभूत सुविधाओं का विस्तार प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल है।

जन चौपाल के दौरान कई ग्रामीणों ने खुलकर अपनी समस्याएं और सुझाव प्रशासन के सामने रखे। अधिकारियों ने भी गंभीरता से हर मुद्दे को सुना और कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। ग्रामीणों ने कहा कि लंबे समय बाद प्रशासनिक अधिकारी स्वयं गांव पहुंचकर उनकी समस्याएं सुन रहे हैं, जिससे लोगों में विश्वास और उम्मीद दोनों बढ़ी हैं।

इस दौरे का सबसे भावनात्मक और प्रेरणादायक दृश्य ग्राम सण्ड्रा में देखने को मिला, जब कलेक्टर विश्वदीप गांव के युवाओं के साथ क्रिकेट मैदान में उतरे। कलेक्टर ने युवाओं के साथ क्रिकेट खेलकर उनका उत्साहवर्धन किया और उन्हें खेल, शिक्षा एवं सकारात्मक सोच के माध्यम से समाज और जिले के विकास में भागीदारी निभाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बीजापुर में सकारात्मक बदलाव और नई विकास यात्रा के सबसे बड़े भागीदार यहां के युवा ही होंगे।

कलेक्टर को अपने बीच सहज रूप में देखकर ग्रामीण और युवा बेहद उत्साहित नजर आए। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस संवेदनशील पहल की सराहना करते हुए कहा कि जब अधिकारी गांवों तक पहुंचकर सीधे संवाद करते हैं, तब लोगों की समस्याओं का समाधान तेजी से संभव हो पाता है और शासन के प्रति भरोसा भी मजबूत होता है।

मनाई गई भारत रत्न राजीव गांधी की पुण्यतिथि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| सुकमा

जिला मुख्यालय सुकमा स्थित राजीव भवन में भारत के पूर्व प्रधानमंत्री भारत रत्न स्व. राजीव गांधी की पुण्यतिथि आतंकवाद विरोधी दिवस के रूप में श्रद्धा और संकल्प के साथ मनाई गई। कार्यक्रम जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष हरीश कवासी लखमा की उपस्थिति में संपन्न हुआ। इस दौरान जिला कांग्रेस कमेटी, नगर कांग्रेस, महिला कांग्रेस, युवा कांग्रेस, एनएसयुआई और सेवादल के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सर्वप्रथम राजीव गांधी के तैलचित्र पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। दो मिनट का मौन रखकर उनके बलिदान को याद किया गया। इसके बाद गोष्ठी का आयोजन हुआ। जिला अध्यक्ष हरीश कवासी लखमा ने कहा राजीव गांधी सिर्फ एक प्रधानमंत्री नहीं, आधुनिक भारत के निर्माता थे। 21वीं सदी में भारत को ले जाने का सपना उन्होंने देखा था। आज देश में जो कंप्यूटर क्रांति, टेलीकॉम क्रांति, पंचायती राज व्यवस्था और 18 साल में वोट का अधिकार है, वो राजीव की देन है। उन्होंने देश की एकता-अखंडता के लिए अपने प्राण न्यौछावर कर दिए। आज जब देश में नफरत का माहौल बनाने की कोशिश हो रही है, तब राजीव के सद्भाव, भाईचारे और शांति के संदेश को घर-घर पहुंचाना ही उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि होगी। हम सब कांग्रेसजन संकल्प लेते हैं कि राजीव के सपनों का भारत बनाएंगे। बस्तर-सुकमा के अंतिम व्यक्ति तक विकास, शिक्षा और तकनीक पहुंचाएंगे। यही हमारा लक्ष्य है।

पुण्यतिथि के अवसर पर कांग्रेसजनों ने आतंकवाद और हिंसा का डटकर विरोध करने का संकल्प लिया गया। नगर अध्यक्ष मोहम्मद हुसैन ने कहा राजीव ने देश को युवाओं का देश बनाया। हमें उनके रास्ते पर चलकर सुकमा को शिक्षा और तकनीक का हब बनाना है। कार्यक्रम में वरिष्ठ नेता, महिला कांग्रेस अध्यक्ष, युवा कांग्रेस अध्यक्ष सहित सभी प्रकोष्ठों के पदाधिकारी मौजूद रहे।

ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को लेकर हुई समीक्षा बैठक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| दंतेवाड़ा

स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के अंतर्गत ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर आज जिला पंचायत के सभाकक्ष में जिला पंचायत सीईओ जयंत नाहटा की अध्यक्षता में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिलेभर में स्वच्छता गतिविधियों को और अधिक प्रभावी बनाने तथा ग्राम पंचायत स्तर पर कचरा प्रबंधन व्यवस्था को सुदृढ़ करने पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में बताया गया कि जिले में 20 मई से 15 जून तक विशेष स्वच्छता अभियान संचालित किया जाएगा। इस अभियान के तहत ग्राम पंचायतों में व्यापक जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित होगें। साथ ही स्वच्छता गतिविधियों, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन, कचरा पृथक्करण, साफ-सफाई एवं पर्यावरण संरक्षण से जुड़े विभिन्न कार्य किए जाएंगे। अभियान का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता के प्रति जनभागीदारी बढ़ाना तथा स्वच्छ एवं स्वस्थ वातावरण का निर्माण करना है।

बैठक में जिले के समस्त जनपद पंचायतों के मुख्य कार्यपालन अधिकारी, स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) के विकासखंड समन्वयक, यूनिसेफ जल एवं स्वच्छता टीम, युवोदय जिला अधिकारी, वालंटियर्स तथा विकासखंड समन्वयक उपस्थित रहे। बैठक में अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अभियान के दौरान सभी ग्राम पंचायतों में नियमित मॉनिटरिंग करते हुए स्वच्छता संबंधी गतिविधियों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए।

एनएमडीसी में युवाओं को मिलेगा इंटर्नशिप का अवसर

दंतेवाड़ा। जिला प्रशासन दंतेवाड़ा एवं माय भारत के संयुक्त तत्वावधान में जिले के शिक्षित एवं कुशल युवाओं के लिए 23 मई को प्रधानमंत्री इंटर्नशिप स्कीम शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस विशेष शिविर के माध्यम से स्थानीय युवाओं को प्रतिष्ठित सार्वजनिक उपक्रम एनएमडीसी दंतेवाड़ा में इंटर्नशिप प्राप्त करने का सुनहरा अवसर मिलेगा। इस योजना के अंतर्गत चयनित प्रशिक्षुओं को प्रतिमाह 9 हजार रुपये का स्टाइपेंड प्रदान किया जाएगा। साथ ही वित्तीय प्रोत्साहन के रूप में 6 हजार रुपये की एकमुश्त नियुक्ति प्रोत्साहन राशि भी दी जाएगी। जिला प्रशासन का उद्देश्य युवाओं को उद्योगों से जोड़कर उन्हें रोजगारोन्मुखी अनुभव प्रदान करना है, ताकि वे भविष्य में बेहतर अवसर प्राप्त कर सकें।

महतारी वंदन योजना की केवाईसी व्यवस्था फेल, महिलाएं हो रहीं परेशान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| घाटलोहंगा

ग्राम पंचायत बड़े चकवा के उप सरपंच पूरन सिंह कश्यप ने प्रेस विज्ञप्ति जारी कर छत्तीसगढ़ सरकार एवं प्रशासन की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा संचालित महतारी वंदना योजना का उद्देश्य प्रदेश की माताओं एवं बहनों को आर्थिक सहायता प्रदान करना है, लेकिन वर्तमान में केवाईसी प्रक्रिया को लेकर शासन-प्रशासन की लापरवाही के कारण ग्रामीण महिलाओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा केवाईसी अनिवार्य तो कर दिया गया है, लेकिन गांव स्तर पर इसकी कोई समुचित व्यवस्था नहीं की गई है। न पंचायतों में शिविर लगाए जा रहे हैं, न ही ग्रामीण क्षेत्रों में कर्मचारियों की तैनाती की जा रही है। इसके चलते गरीब एवं आदिवासी महिलाएं कई किलोमीटर दूर जाकर निजी दुकानों और ऑनलाइन केंद्रों में पैसे खर्च कर केवाईसी करवाने को मजबूर हैं। पूरन सिंह कश्यप ने कहा कि यदि शासन की मंशा वास्तव में महिलाओं को योजना का लाभ देने की होती, तो प्रत्येक गांव में विशेष कैंप लगाकर निशुल्क केवाईसी की सुविधा उपलब्ध कराई जाती। लेकिन वर्तमान स्थिति देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि सरकार जानबूझकर ऐसी अव्यवस्थित व्यवस्था बना रही है ताकि बड़ी संख्या में महिलाएं केवाईसी न करवा पाएं और उन्हें योजना से वंचित किया जा सके। एक ओर सरकार सुशासन और जनकल्याण के बड़े-बड़े दावे कर रही है, वहीं दूसरी ओर ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाएं छोटी-छोटी सुविधाओं के लिए भटकने को मजबूर हैं। शासन तिहार और प्रचार-प्रसार में व्यस्त सरकार को गरीब माताओं और बहनों की वास्तविक समस्याएं दिखाई नहीं दे रही हैं। राज्य सरकार से मांग की है कि तत्काल गांव-गांव में शिविर आयोजित कर निशुल्क केवाईसी की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए, ताकि प्रदेश की कोई भी पात्र महिला महतारी वंदना योजना के लाभ से वंचित न रहे। यदि जल्द व्यवस्था नहीं सुधारी गई तो ग्रामीण स्तर पर जन आंदोलन किया जाएगा।

नगर को पेयजल व्यवस्था के लिए मिली 90 लाख की सहायता

हरिभूमि न्यूज ▶▶| गीदम

नपं गीदम में पेयजल व्यवस्था को सुदृढ़, व्यवस्थित एवं भविष्य के लिए आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल शुरू होने जा रही है। पेयजल समस्याओं को देखते हुए नगर को लगभग 90 लाख की बड़ी सौगात मिली है, जिससे नगरवासियों को आने वाले वर्षों में बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है।

हाल ही में नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना के नेतृत्व में जनप्रतिनिधियों द्वारा कलेक्टर को नगर में पेयजल की गंभीर समस्या से अवगत कराया गया था। मामले की गंभीरता को देखते हुए कलेक्टर देवेश ध्रुव ने गीदम नगर का दौरा किया। उन्होंने विभिन्न वार्डों, जल स्त्रोतों एवं पानी टंकियों का गहन निरीक्षण किया और अधिकारियों तथा जनप्रतिनिधियों के साथ विस्तृत चर्चा की। नगर की वर्तमान आवश्यकताओं और भविष्य में संभावित जल संकट को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर द्वारा नगर पंचायत गीदम को लगभग 90 लाख की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इस स्वीकृत राशि से नगर के विभिन्न पानी टंकियों के समीप समवेल का निर्माण कराया जाएगा। साथ ही राइजिंग मेन के माध्यम से इन समवेल तक पर्याप्त मात्रा में जल पहुंचाने का कार्य भी किया जाएगा। परियोजना के तहत जल संचय क्षमता बढ़ाने, जल वितरण प्रणाली को मजबूत करने और लीकेज रोकने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। नगर पंचायत अध्यक्ष रजनीश सुराना ने कहा कि इस महत्वाकांक्षी परियोजना के पूर्ण होने के बाद गीदम नगर की पेयजल व्यवस्था में आमूलचूल परिवर्तन आएगा। अब तक नगर की जलापूर्ति काफी हद तक मौसमी जल स्त्रोतों और सीमित संसाधनों पर निर्भर थी। लेकिन समवेल निर्माण के बाद नगर को एक मजबूत, स्थायी एवं आत्मनिर्भर पेयजल व्यवस्था मिलेगी।

इससे गर्मी के दिनों में भी सभी वार्डों में नियमित और पर्याप्त प्रेशर के साथ जलापूर्ति सुनिश्चित हो सकेगी। यह योजना आने वाले 15-20 वर्षों की जरूरतों को ध्यान में रखकर तैयार की गई है उन्होंने कहा कि इस कार्य मे विधायक चैतराम अटामी का मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वहीं पार्षद श्रीकांत राव, अवधेश गुप्ता, खिलावन सागर, सोहन यादव, मुख्य नगर पालिका अधिकारी श्रीमती हुलसी प्रधान व लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी (PHE) विभाग के अधिकारियों ने निरंतर सहयोग और सक्रिय सहभागिता निभाई।

बस्तर ब्लॉक को पूर्ण साक्षर बनाने की कवायद तेज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| बस्तर

कलेक्टर बस्तर के निर्देशानुसार बस्तर ब्लॉक को पूर्ण साक्षर ब्लॉक बनाने के लिए आज बीईओ भारती देवांगन एवं एबीईओ सुशील कुमार तिवारी द्वारा ब्लॉक के सभी संकुल समन्वयकों व ग्राम प्रभारियों की बैठक ली गई।

बैठक में संकल्प लिया गया कि निर्धारित समय सीमा में ब्लॉक के सभी ग्राम पंचायतों व वार्डों में शत-प्रतिशत असाक्षरों का सर्वे कराया जाएगा। इसके लिए ग्रामवार टीम गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। चिन्हांकित सभी असाक्षरों को आगामी माह में आयोजित होने वाली महापरीक्षा में शामिल कराकर साक्षर बनाने का लक्ष्य रखा गया है। इसके लिए ब्लॉक में संचालित सभी 61 संकुलों में उल्लास केंद्र का संचालन अनिवार्य रूप से करने पर जोर दिया गया। स्वयंसेवकों द्वारा नियमित अध्यापन कराकर पढ़ना-लिखना सिखाने के निर्देश भी दिए गए अधिकारियों ने सभी ग्राम पंचायत के अमले से इस अभियान में सहयोग की अपील की। नगर पंचायत बस्तर के सभी 15 वार्डों में भी गहन सर्वे कराकर यह सुनिश्चित करने को कहा गया कि कोई भी व्यक्ति निरक्षर न रहे।

विद्यार्थियों को विभिन्न गतिविधियों के जरिए मिला व्यावहारिक ज्ञान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर

क्रांतिकारी डेवरीधुर उद्यानिकी महाविद्यालय एवं अनुसंधान केंद्र में आयोजित अनुभवात्मक शिक्षण कार्यक्रम के अंतर्गत विद्यार्थियों को व्यावहारिक ज्ञान, तकनीकी कौशल एवं कार्यानुभव प्रदान करने हेतु विभिन्न गतिविधियाँ संपन्न कराई गईं। इस कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ. जी.पी. नाग, डॉ. आर. के. देवांगन एवं डॉ. अग्निभ हालदार के संयुक्त नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में विद्यार्थियों द्वारा उद्यानिकी फसलों एवं पौधों के उत्पादन से संबंधित विभिन्न कार्य किए गए। इन कार्यों में पौध उत्पादन, रोपण, सिंचाई, देखभाल, तुड़ाई, छंटाई, ग्रेडिंग, पैकिंग तथा विपणन जैसी गतिविधियाँ शामिल रहीं। विद्यार्थियों ने फलों एवं पौधों के उत्पादन की संपूर्ण प्रक्रिया को व्यवहारिक रूप से सीखते हुए कार्य किया, जिससे उन्हें उत्पादन से लेकर विपणन तक का प्रत्यक्ष अनुभव प्राप्त हुआ। कार्यक्रम के अंतर्गत लीची फल की सफलतापूर्वक तुड़ाई की गई, जिसके पश्चात मॉड्यूल ग्रुप 'ए' के विद्यार्थियों द्वारा फल प्रेमियों तक लीची उपलब्ध कराई गई। इसके अतिरिक्त पौध उत्पादन कर समाजहित में विभिन्न स्थानों पर वितरण भी किया गया, जिसमें अस्पतालों एवं अन्य संस्थानों में पौधरोपण हेतु पौधे प्रदान किए गए।

सिद्धीविनायक नवजात शिशु एवं बालरोग हॉस्पिटल
अम्बेडकर चौक के पास, रूद्री रोड, धमतरी (छत्तीसगढ़)
14 बिस्तरों का सर्वसुविधायुक्त नवजात शिशुओं का ♦ State of the art NICU including care for Preterm, Term
A/C प्राइवेट रूम की व्यवस्था एवं Ventilator की सुविधा ♦ वातानुकुलित बच्चों का वार्ड
Multi Para Monitors / Bubble CPAP ♦ Low Birth Weight, Septic & Very Serious Newborn
Warmer Led Photo Therapy पीलिया के ईलाज के लिए ♦ प्रतिदिन समस्त टीकाकरण का उपलब्धता
Centralized Oxygen एवं Suctioning की व्यवस्था ♦ 24 घंटे पैथोलॉजी, फार्मेसी, X-Ray की सुविधा उपलब्ध
डॉ. विजय रावत (MBBS/DCH)
नवजात शिशु एवं बालरोग विशेषज्ञ
पूर्व चिकित्सक चंडीगढ़
समय : सुबह 10.30 से शाम 9 बजे (रविवार शाम बंद)
मो. 9981321524 / 7223011528

HEALTH TOWN

DR. ABHIMANYU'S
AYURVEDA MULTISPECIALITY HOSPITAL
PAIN | PANCHKARMA | PILES | PEDIA | GYNAE | SKIN
> वात रोग > घुटने के दर्द > पीठ व कमर दर्द > स्पॉन्डिलाइटिस > लिगामेंट के दर्द
> साइटिका > गोल्फ एल्बो > फ्रोजन शोल्डर > शरीर मे जकड़न
जोड़ों, नसों, मांसपेशियों के सभी प्रकार के दर्द का इलाज
सिटी सेन्टर - कृष्णा टॉकीज के सामने, समता कॉलोनी रायपुर (छ.ग.) 9826446666
सेक्टर -7 कमल विहार, रायपुर (छ.ग.) 95224-66664, 62622-22003
Piles Care Clinic
ISO 9001:2015 Certified Clinic
Unit of Dr Abhimanyu's Pain Relief Center
बिना चीरफाड़ के बवासीर (पाइल्स), फिस्टुला (भगंदर) फिशर्स, पिलोनिडल साइनस का
लेज़र मशीन /क्षार सूत्र द्वारा आपरेशन की सुविधा
लेडिस डॉक्टर उपलब्ध

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

25 से ओपन स्कूल में प्रवेश प्रक्रिया

दुर्गुकोंदल। छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल, रायपुर द्वारा आयोजित हाईस्कूल एवं हायर सेकेंडरी मुख्य तथा अवसर परीक्षा अगस्त-सितंबर 2026 के लिए प्रवेश आवेदन प्रक्रिया 25 मई 2026 से प्रारंभ की जा रही है। ऐसे विद्यार्थी जो किसी कारणवश नियमित शिक्षा से जुड़ नहीं पाए हैं अथवा अपनी पढ़ाई बीच में छोड़ चुके हैं, उनके लिए छत्तीसगढ़ राज्य ओपन स्कूल एक बेहतर अवसर प्रदान कर रहा है। विद्यार्थी सामान्य शुल्क के साथ 25 मई से 30 जून तक प्रवेश आवेदन पत्र भर सकेंगे। वहीं निर्धारित तिथि के बाद भी आवेदन करने वाले विद्यार्थियों को 500 रुपए विलंब शुल्क के साथ 3 जुलाई से 8 जुलाई तक आवेदन करने का अवसर मिलेगा।

कमरे में फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या

कांकेर। चारामा थाना क्षेत्र के ग्राम चिनौरी में एक युवक द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार मृतक लखनलाल कोड़ोपी (28 वर्ष) पिता स्व. कुबेर सिंह, निवासी ग्राम चिनौरी, शराब पीने का आदी था। बताया जा रहा है कि उसने अपने घर के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

जनजातीय गरिमा उत्सव जन भागीदारी अभियान

कांकेर। जनजातीय कार्य मंत्रालय भारत सरकार के निर्देशानुसार आदि कर्मयोगी अभियान अंतर्गत जनजातीय गरिमा उत्सव जनभागीदारी अभियान का आयोजन 18 से 25 मई तक जिले के पीएम जनमन एवं धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान के कुल 07 विकासखंडों के जनजातीय बाहुल्य चिन्हांकित 552 ग्रामों में क्लस्टर स्तर शिविर का आयोजित किए जा रहे हैं। इसका उद्देश्य प्राथमिकता के आधार पर आईईसी कैम्पेन भागीदारी-सबसे दूर, सबसे पहले थीम पर किया जा रहा है। उन्होंने बताया कि इसके अंतर्गत जमीनी संपर्क, स्वास्थ्य संबंधी जागरूकता, सिकलसेल परीक्षण, टीबी स्क्रीनिंग, सेवा संतृप्ति जैसे- आधार कार्ड, आयुष्मान कार्ड, राशन कार्ड, जनधन खाता, मातृ वंदन योजना, पोषण अभियान, जाति प्रमाण पत्र आदि सेवा केन्द्रों में जन सुनवाई कार्यक्रम का आयोजन, सुनवाई में प्राप्त शिकायतों को सूचीबद्ध कर उनका समाधान करने तथा उपरोक्त जन भागीदारी अभियान अंतर्गत की गई समस्त गतिविधियों का प्रगति प्रतिवेदन तैयार कर आदि प्रसारण पोर्टल पर अपलोड करने निर्देशित किया गया है।

क्लस्टर स्तरीय बस्तर मुन्ने शिविर की तिथियां निर्धारित

सरोना। जनपद पंचायत नरहरपुर के अंतर्गत आयोजित होने वाले क्लस्टर स्तरीय बस्तर मुन्ने शिविर की तिथियां निर्धारित कर दी गई हैं। इसके अनुसार 23 मई को मुसुरपुटटा, 25 को धनोरा, 26 को साल्हेभाट, 28 को करप तथा 29 मई को धनेसरा में क्लस्टर स्तरीय बस्तर मुन्ने शिविर लगाए जाएंगे। जून माह में 1 जून को जुनवानी, 2 जून को किशनपुरी, 3 जून को बिरनपुर एवं 4 जून को अमोड़ा में शिविर आयोजित किए जाएंगे।

सरकारी डॉक्टरों ने किया था रेफर, निजी अस्पताल ने दिया नॉर्मल डिलीवरी का भरोसा, दो जिंदगियां बुझीं

विवेचना शुरू और जिम्मेदारों की तलाश जारी

नार्मल डिलीवरी का दिया भरोसा पर अस्पताल में जच्चे-बच्चे की हुई मौत

हरिभूमि न्यूज ⏭ भानुप्रतापपुर

एक माँ की गोद सूनी हो गई, एक परिवार की खुशियां मातम में बदल गईं और गांव चाहचाँड में हर आंख नम है। तहसील दुर्गूकोंदल के ग्राम चाहचाँड निवासी कमलेश कोमरा की 31 वर्षीय पत्नी द्रौपदी कोमरा और उसके नवजात बच्चे की मौत ने पूरे क्षेत्र को झकझोर कर रख दिया है। मृतिका की माता राजवंटीन नुरेती ने रोते हुए पूरी घटना की जानकारी देते हुए निजी अस्पताल पर गंभीर लापरवाही के आरोप लगाए हैं।

परिजनों के अनुसार प्रसव तिथि नजदीक आने पर द्रौपदी को 15 मई को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भानुप्रतापपुर में भर्ती कराया गया था। वहां दो दिन तक उन्हें निगरानी में रखा गया और प्रसव पीड़ा का इंतजार किया गया। अस्पताल में जांच के दौरान बताया गया कि महिला के शरीर में लगभग 10 ग्राम खून है। प्रसव पीड़ा नहीं आने पर सोनोग्राफी कराने की सलाह दी गई। चूंकि शासकीय अस्पताल में सोनोग्राफी की सुविधा उपलब्ध नहीं थी, इसलिए 17 मई को द्रौपदी को मोटरसाइकिल से निजी गौतम अस्पताल ले जाया गया, जहां सोनोग्राफी कराई गई। मृतिका की माता राजवंटीन नुरेती ने बताया कि उस समय उनकी बेटी पूरी तरह सामान्य हालत में थी। सोनोग्राफी रिपोर्ट देखने के बाद सरकारी डॉक्टरों ने गर्भ में पानी कम होने की बात कहते हुए मामले को गंभीर बताया और जिला अस्पताल कांकेर रेफर करने की सलाह दी थी। लेकिन गौतम अस्पताल प्रबंधन ने उन्हें भरोसा दिलाया कि बिना ऑपरेशन के सामान्य प्रसव कराया जा सकता है, जिसके बाद वे बेटी को वहीं भर्ती करा दिए।

हम ऑपरेशन की गुहार लगाते रहे, लेकिन किसी ने नहीं सुनी : राजवंटीन नुरेती ने आरोप लगाया कि अस्पताल में उनकी बेटी को इंजेक्शन देकर घंटों तक प्रसव कराने की कोशिश की गई। परिवार बार-बार ऑपरेशन करने की मांग करता रहा, लेकिन डॉक्टर सामान्य डिलीवरी पर अड़े रहे। कई घंटे बाद अस्पताल की ओर से बताया गया कि बच्चा मृत पैदा हुआ है। उन्होंने बताया कि बच्चे की मौत के बाद भी उनकी बेटी को सामान्य वार्ड में रख दिया गया, जबकि उसकी हालत लगातार बिगड़ती जा रही थी। हम लोग डॉक्टर और नर्स को खोजते रहे, कोई नीचे भेजता रहा, कोई ऊपर। बेटी तड़पती रही, लेकिन समय पर इलाज नहीं मिला," यह कहते हुए मां की आंखें भर आईं। परिजनों का आरोप है कि करीब पांच घंटे बाद महिला को ICU में भर्ती किया गया, लेकिन तब तक बहुत देर हो चुकी थी। डॉक्टरों ने बाद में उसे मृत घोषित कर दिया।

बयान में विरोधाभास, पोस्टमार्टम नहीं होने से उठे सवाल

इस पूरे मामले में गौतम हॉस्पिटल के संचालक डॉ. अनिल गौतम द्वारा संवाददाता को दिए गए बयान और मृतिका के परिजनों के आरोपों में काफी अंतर देखने को मिल रहा है। अस्पताल प्रबंधन जहां अचानक हालत बिगड़ने और गर्भनाल बच्चे के गले में फंसने की बात कह रहा है, वहीं परिजन इलाज में देरी और लापरवाही का आरोप लगा रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह भी उठ रहा है कि जच्चा-बच्चा दोनों की मौत के बावजूद मृतिका का पोस्टमार्टम नहीं कराया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि पोस्टमार्टम नहीं होने से मौत के वास्तविक कारणों पर संदेह और गहरा गया है।

सरकारी डॉक्टर बोले – समय रहते रेफर किया था

भानुप्रतापपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के बीएमओ डॉ. सचिन्द्र गोटा ने बताया कि सोनोग्राफी रिपोर्ट में गर्भ में पानी कम होने की स्थिति सामने आई थी। ऐसे मामलों में सीजर ऑपरेशन आवश्यक हो सकता था, इसलिए मरीज को तत्काल जिला अस्पताल कांकेर रेफर किया गया था। उन्होंने कहा कि भानुप्रतापपुर में पर्याप्त सुविधाएं उपलब्ध नहीं हैं, लेकिन परिजन अपनी इच्छा से निजी अस्पताल चले गए।

कार्रवाई की मांग की

इस दर्दनाक मामले की शिकायत स्वास्थ्य मंत्री, अपर सचिव और सीएमएचओ को सौंपकर निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की गई है। पूरे क्षेत्र में इस घटना को लेकर भारी आक्रोश है और लोग निजी अस्पतालों की कार्यप्रणाली पर सवाल उठा रहे हैं।

पेट्रोल पंप पर हाईवा की लंबी कतारों से बढ़ी परेशानी, व्यापारियों ने लगाई गुहार

भानुप्रतापपुर। नगर के मुख्य चौक से अंतागढ़ रोड स्थित कोठारी पेट्रोल पंप में डीजल वितरण के दौरान लगने वाली हाईवा वाहनों की लंबी कतार अब स्थानीय लोगों और व्यापारियों के लिए गंभीर समस्या बन गई है। बिगड़ती यातायात व्यवस्था और संभावित सड़क हादसों को देखते हुए व्यापारियों एवं वार्डवासियों ने नगर पंचायत के मुख्य नगर पालिका अधिकारी तथा एसडीएम गंगाधर वाहिले को ज्ञापन सौंपकर तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है।

ज्ञापन में बताया गया है कि पेट्रोल पंप में भारी वाहनों को डीजल वितरण के दौरान हाईवा की लाइन पेट्रोल पंप से लेकर कन्हारगांव नाका तक पहुंच जाती है। सड़क किनारे घंटों खड़े रहने वाले भारी वाहनों के कारण आम राहगीरों, स्कूली बच्चों, महिलाओं और बुजुर्गों को रोजाना भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। स्थानीय लोगों का कहना है कि इस स्थिति के चलते कभी भी बड़ा सड़क हादसा हो सकता है। व्यापारियों ने प्रशासन को अवगत कराया कि इस मार्ग पर राशन वितरण केंद्र, सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र, प्राथमिक शाला, मावा मोदोल सेंटर, बालक छात्रावास तथा गुरुद्वारा संचालित हैं, जहां प्रतिदिन लोगों का आवागमन रहता है। ऐसे में सड़क पर खड़े भारी वाहनों से यातायात लगातार बाधित हो रहा है और लोगों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। सड़क किनारे व्यवसाय करने वाले व्यापारियों ने भी चिंता जताते हुए कहा कि हाईवा वाहनों की कतारों के कारण ग्राहक दुकानों तक नहीं पहुंच पा रहे हैं, जिससे उनके व्यापार पर प्रतिकूल असर पड़ रहा है और आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। ज्ञापन में यह भी उल्लेख किया गया कि पूर्व में पुलिस प्रशासन, व्यापारियों और पेट्रोल पंप संचालक के बीच चर्चा कर व्यवस्था सुधारने का प्रयास किया गया था, लेकिन कुछ दिनों बाद स्थिति फिर पहले जैसी हो गई।

फन एंड लर्न समर कैंप के बच्चों ने तीसरे दिन किया शैक्षणिक भ्रमण

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

▪ जिला मुख्यालय का भ्रमण जाना प्रशासन का कामकाज

शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित नन्हे सितारे फन एंड लर्न समर कैंप-2026 बच्चों के लिए ज्ञान, प्रेरणा और मनोरंजन का अनूठा मंच बनता जा रहा है। समर कैंप के तीसरे दिन दूरस्थ आदिवासी अंचलों से आए बच्चों को जिला मुख्यालय के प्रमुख प्रशासनिक एवं शैक्षणिक संस्थानों का भ्रमण कराया गया, जिससे उनके भीतर नई जिज्ञासा और बड़े सपने देखने की प्रेरणा दिखाई दी।

कोयलीबेड़ा विकासखंड के ग्राम बड़पारा, पानीडोबीर सहित अन्य दूरस्थ गांवों से पहुंचे बच्चों ने पहली बार जिला मुख्यालय के विभिन्न कार्यालयों और संस्थानों को नजदीक से देखा। बच्चों ने कलेक्टर कार्यालय, जिला पंचायत कार्यालय, नरहरदेव उत्कृष्ट विद्यालय, मावा मोदोल कोचिंग सेंटर तथा वित्तीय साक्षरता केंद्र सहित कई महत्वपूर्ण संस्थानों का अवलोकन किया। भ्रमण के दौरान अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने बच्चों को संस्थानों की कार्यप्रणाली, उपलब्ध सुविधाओं और प्रशासनिक व्यवस्थाओं की जानकारी सरल एवं रोचक तरीके से दी। बच्चों के चेहरे पर उत्साह, जिज्ञासा और आत्मविश्वास साफ नजर आया। कई बच्चों ने प्रशासनिक सेवाओं, शिक्षा एवं तकनीकी क्षेत्रों में आगे बढ़ने की इच्छा व्यक्त की। जिला प्रशासन का उद्देश्य बच्चों को केवल मनोरंजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि उन्हें जीवन में बड़े लक्ष्य निर्धारित करने और उन्हें हासिल करने के लिए प्रेरित करना है। समर कैंप में शिक्षा, व्यक्तित्व विकास, नेतृत्व क्षमता, संवाद कौशल और आत्मविश्वास बढ़ाने वाली गतिविधियों को विशेष महत्व दिया जा रहा है। समर कैंप के अंतर्गत आयोजित सांस्कृतिक संध्या कार्यक्रम भी आकर्षण का केंद्र रहा। बच्चों ने लोकनृत्य, समूह गीत, संगीत एवं रंगारंग प्रस्तुतियों से उपस्थित दर्शकों का मन मोह लिया। पारंपरिक संस्कृति और आधुनिक अभिव्यक्ति के सुंदर समन्वय ने कार्यक्रम को जीवंत बना दिया। बच्चों की प्रतिभा, आत्मविश्वास और मंच संचालन क्षमता ने सभी को प्रभावित किया तथा पूरे परिसर में उत्साह और उमंग का माहौल बना रहा। जिला शिक्षा अधिकारी रमेश निषाद एवं डीएमसी नवनीत पटेल ने बताया कि समर कैंप में 300 से अधिक बच्चे भाग ले रहे हैं, जिनमें पानीडोबीर क्षेत्र के 100 विद्यार्थी शामिल हैं। उन्होंने बताया कि प्रतिदिन शाम 6:30 बजे से रात्रि 7:30 बजे तक सांस्कृतिक संध्या का आयोजन किया जा रहा है।

जामगांव के सेक्टर शिविर में सात पंचायत के लोग पहुंचे

सरोना। सुशासन तिहार 2026 एवं बस्तर मुनै अभियान के अंतर्गत जनपद पंचायत नरहरपुर के तहत ग्राम पंचायत जामगांव में सेक्टर स्तरीय शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सात ग्राम पंचायतों जामगांव, डोमपदर, मडारादरह, घोटियावाही, दबेना, देवडोगर एवं समतारा के ग्रामीण शामिल हुए।

शिविर में शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी गई तथा ग्रामीणों की समस्याओं एवं मांगों के निराकरण के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे। विभागीय स्टॉल लगाकर ग्रामीणों को योजनाओं की पात्रता, आवेदन प्रक्रिया एवं शासन की नई पहल के संबंध में विस्तार से जानकारी दी गई। ग्रामीणों ने शिविर में अपनी समस्याएं अधिकारियों के समक्ष रखीं, जिनके निराकरण के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं का अधिक से अधिक लाभ लेने की अपील की। अतिथियों ने कहा कि सुशासन तिहार का उद्देश्य शासन और जनता के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करना है, ताकि गांव-गांव तक योजनाओं का लाभ पहुंचे और ग्रामीणों की समस्याओं का त्वरित समाधान हो सके। उन्होंने बस्तर मुनै अभियान को जनजागरूकता एवं विकास से जुड़ी महत्वपूर्ण पहल बताया।

कार्यक्रम में जनपद सदस्य वेद बती शोरी, सरपंच भगवती उईके, सरपंच गिरजा नेताम, दुकल सिंह मरकाम, देवलाल वट्टी, राजेंद्र मरकाम, महेश्वर शोरी एवं मंजू नेताम, जनपद के मुख्य कार्यपालन अधिकारी बीआर सुखदेव, सुरेंद्र कश्यप, एमके सिद्दिकी, आनंद साहू, बिरबल मतलाम, वन विभाग से गैंद राम ध्रुव एवं सुखराम पोया, सचिव हिरा नेताम, बलीराम भास्कर, झगडु राम बघेल, शयमशाय नरेटी, घनश्याम जैन, जयंती भास्कर एवं पूर्णिमा साहू सहित सभी विभागों के अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पर्यावरण, नदी एवं तालाबों के संरक्षण के लिए लोगों को किया जागरूक

हरिभूमि न्यूज ⏭ कांकेर

▪ वन विभाग ने अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस पर दिया संदेश

अंतरराष्ट्रीय जैव विविधता दिवस के अवसर पर शुक्रवार को वन विभाग के सौजन्य से शहर एवं जिले में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में पर्यावरण संरक्षण, जल स्त्रोतों की स्वच्छता एवं जैव विविधता के संरक्षण को लेकर लोगों को जागरूक किया गया।

कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि जन सहयोग समाजसेवी संस्था के अध्यक्ष अजय पप्पू मोटवानी ने कहा कि वर्तमान समय में पर्यावरण सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देने की आवश्यकता है। उन्होंने विशेष रूप से कांकेर की जीवन रेखा मानी जाने वाली दूध नदी तथा ऐतिहासिक तालाबों के संरक्षण को अत्यंत महत्वपूर्ण बताया। उन्होंने कहा कि उनकी संस्था वर्षों से नदी और तालाबों की स्वच्छता एवं संरक्षण के लिए कार्य कर रही है। उन्होंने लोगों से अपील करते हुए कहा कि घरों और दुकानों का कचरा नदी एवं तालाबों में न डालें। ऐसा करने से सफाई अभियान के प्रयास प्रभावित होते हैं और जल स्त्रोत प्रदूषित होते जाते हैं। उन्होंने नागरिकों एवं दुकानदारों से नगर पालिका के कचरा वाहनों में ही कचरा देने तथा जल स्त्रोतों को स्वच्छ बनाए रखने में सहयोग करने की अपील की। कार्यक्रम के दौरान जैव विविधता संरक्षण, पर्यावरण संतुलन और स्वच्छता के महत्व पर विस्तार से चर्चा की गई तथा लोगों से प्रकृति संरक्षण के लिए सक्रिय भागीदारी निभाने का आव्हान किया गया। कार्यक्रम में प्राचार्य पॉलिटेक्निक कॉलेज डॉ. शैलेंद्र सिंह, सीताराम शर्मा, समाजसेवी प्रवीण गुप्ता, भूतपूर्व सैनिक टीके जैन, समाजसेवी मनोज दुबे, उपवन मंडल अधिकारी, वन परिक्षेत्र अधिकारी, सरोना, नरहरपुर, कोरर एवं चारामा सहित विभागीय अधिकारी एवं कर्मचारी, शिक्षक अमित कुमार सिंह, सौरभ साहू तथा ग्रामीणों की भी उपस्थिति रही।